दैनिक भास्कर
(13.02.2015)

सरकारी लापरवाही ने छीनी मासूम की रोशनी

परिजन की शिकायत पर कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश, कहा- जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी

भास्कर न्यूज | खरगोन

सरकारी लापरवाही ने 14 महीने के मासूम के आंखों की रोशनी छीन ली। मां कुपोषित बेटे को लेकर झिरन्या के सरकारी अस्पताल पहुंची थी लेकिन डॉक्टर ने दो इंजेक्शन लगाकर घर भेज दिया। हालत और बिगड़ी तो मां उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची । यहां पता चला उसकी आंखों की रोशनी खत्म हो गई। कलेक्टर ने इसे सरकारी मशीनरी की लापरवाही माना। उन्होंने कहा जांच कराई जाएगी, जो भी दोषी होगा कार्रवाई की जाएगी।

झिरन्या तहसील के दलालाबाद का 14 महीने को एक पखवाड़ा पहले अस्पताल में दिखाया

विकास की दोनों आंखें खुलती ही नहीं हैं।

गया था। वहां पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती नहीं किया। धीरे-धीरे उसकी आंखें बंद होने लगी। उसके बाद जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों का कहना है कुपोषण से उसके कार्निया खराब हो चुके हैं। इससे आंखें हमेशा के लिए खराब हो गई हैं। कलेक्टर नीरज दुबे ने स्वास्थ्य एवं महिला व बाल विकास की विभाग की लापरवाही को स्वीकार करते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। मां खेलबाई का आरोप है उसने तो समय से पहले अपने बच्चे को अस्पताल में दिखाया था, लेकिन जब से भर्ती किया है उसकी आंखें बंद हैं। आंसू बह रहे हैं। उसका 12 दिन से इलाज चल रहा है। 31 जनवरी को अधिक तबीयत बिगड़ी तब उसे बड़े अस्पताल लेकर आए। गुरुवार कलेक्टर नीरज दुबे ने पोषण पुनर्वास केंद्र का जायजा लिया तो हकीकत सामने आई। डॉक्टर दिव्येश वर्मा ने कहा कि बच्चे के पोषण में विटामिन ए, प्रोटीन व आयरन की कमी के कारण कार्निया खराब हो गए हैं।

> झिरन्या पोषण एवं पुनर्वास केंद्र में बच्चे को उचित समय पर भर्ती नहीं करने से उसकी आंखें खराब हुई है।' **सुनील सोलंकी**, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग

> महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही है। जांच कराएंगे। संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी।' - **नीरज दुबे**, कलेक्टर, खरगोन